शुक्रवार
23 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

पीठ दर्द को न करें इग्नोर, जानें क्यों होता है खतरनाक

पृष्ठ 5

विश्वेक सेन स्टारर फिल्म गामी वर्ल्डवाइड सिनेमा में रिलीज होगी

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 29
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सत्याग्रह बल प्रयोग के विपरीत होता है। हिंसा के संपूर्ण त्याग में ही सत्याग्रह की कल्पना की गई है।

– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

-गुलदार के हमलों पर सीएम धामी गंभीर-

प्रभावित क्षेत्रों में चौबीसों घंटे अलर्ट मोड में रहे वन विभाग: सीएम

हमारे संवाददाता

देहरादून। राज्य में लगातार हो रहे गुलदार और बाघों के हमलों को देखते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने आज वन विभाग के अधिकारियों को चौबीसों घंटे अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिये गये है। उन्होने वन विभाग के अधिकारियों को इस तरह की घटनाएं रोकने को लेकर प्रभावी कार्ययोजना बनाने को कहा है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं पर गम्भीर चिंता प्रकट की है। उन्होंने गुलदार और बाघों के हमले की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए वन सचिव एवं वन्यजीव प्रतिपालक को प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में विभाग को चौबीसों घंटे अलर्ट मोड पर रखा जाए और प्रशिक्षित वनकर्मियों की क्विक रिस्पांस टीम गठित कर उसे तत्काल मौके पर भेजा जाए। जंगली जानवरों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए गांव और जंगल की सीमा पर सोलर फेंसिंग (तार बाड़)

लगाई जाए।

कहा कि लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि राज्य के अलग अलग हिस्सों में वन्य जीवों के हमलों को रोकने में वन विभाग बेबस हो रहा है। इसे दृष्टिगत रखते हुए इन घटनाओं को रोकने के लिए दीर्घकालीन योजना बनाई जाए। प्रशिक्षित पशु चिकित्सक मानव वन्यजीव संघर्ष की दृष्टि से इलाकों में चौबीस घंटे तैनात रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर गुलदार और बाघों से भरे पड़े हैं। अब वहां अन्य पकड़े गए वन्य जीवों को रखने की जगह नहीं है, लिहाजा इसके लिए भी तुरंत कार्ययोजना बनाई जाए।

बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बीते माह वन्य जीव प्रतिपालक को निर्देश दिए थे कि राज्य के रेस्क्यू सेंटर के गुलदार और बाघों को दूसरे राज्यों के चिड़ियाघर/ वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर में शिफ्ट करने के लिए वहां के जिम्मेदार अधि कारियों से संपर्क करें, ताकि यह समस्या हल हो सके। इस दिशा में अभी तक कोई अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर मुख्यमंत्री धामी ने आज पुन: इस सम्बंध में तत्काल कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वन्यजीव

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

वेब सीरिज देख कर दिया लूट की घटना को अंजाम, गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। वेब सीरिज देखकर लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो युवकों को पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल, तमंचा व लूट के सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया है। एक के नाबालिग होने पर उसको किशोर न्यायालय में पेश किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 फरवरी 2024 को कुलदीप सिंह पुत्र धर्म सिंह निवासी ग्राम हेतलपुर सरसावा, सहारनपुर, हाल पता मन्दाकिनी विहार, सहस्त्रधारा रोड रायपुर देहरादून ने थाना रायपुर पर तहरीर दी कि रायपुर क्षेत्रान्तर्गत ओम ध र्मकांटा किसान डेयरी सहस्त्रधारा रोड के पास मोटर साइकिल सवार 2 युवकों द्वारा उन्हें तमंचा दिखाकर उनका फोन तथा 5 हजार रूपये लूट

लिये। पुलिस ने लूट का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना का शीघ्र खुलासे हेतु थानाध्यक्ष रायपुर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, जिसके क्रम में थानाध्यक्ष रायपुर द्वारा स्वयं के नेतृत्व में 2 अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों द्वारा घटनास्थल के आसपास आने जाने वाले मार्गों व अन्य स्थानों पर लगे लगभग 40 सीसीटीवी कैमरों को चैक किया गया तथा पूर्व में लूट के घटनाओं में संलिप्त आरोपियों का सत्यापन कर उनके अध्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप सूचना प्राप्त हुई जिसके आधार पर पुलिस टीम द्वारा आज सहस्त्रधारा रोड मुख्य मार्ग से पालीटैक्निक की ओर जाने वाले रास्ते से

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली। झारखंड हाईकोर्ट से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को बड़ा झटका लगा है। 2018 में अमित शाह पर टिप्पणी मामले में उनकी याचिका खारिज कर दी गई है। एमपी एमएलए कोर्ट के समन के खिलाफ हाई कोर्ट में दाखिल याचिका खारिज की गई है। अब इस मामले में उनके खिलाफ निचली कोर्ट में ट्रायल चलेगा।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। राहुल गांधी ने 2018 में केंद्रीय मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उस समय भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के जिला उपाध्यक्ष विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दर्ज किया गया था। कांग्रेस सांसद ने ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही को रद्द करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका डाली थी। जिसमें 16 फरवरी को राहुल गांधी का लिखित पक्ष कोर्ट में पेश किया गया। बाद में जस्टिस अंबुज नाथ की बेंच ने मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया।

युवा अपने लक्ष्य से भटक रहा है: भार्वन

संवाददाता

देहरादून। कर्नल राजीव भार्वन ने कहा कि आज का युवा नशे की लत में पडकर अपने लक्ष्य से भटक रहा है।

आज कर्नल राजीव भार्वन ने परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में सैट जोसफ स्कूल, छुटमलपुर (सहारनपुर) के साथ एक प्रेस कांफेर्न्स आयोजित की। उन्होंने बताया की आज का युवा अपने लक्ष्य से भटकता जा रहा है। आज की युवा शक्ति नशे की गिरफ्त में फंसती जा रही है। इस बुरे चलन को रोका जा सकता है अगर हम समय रहते उनमे अच्छे संस्कार व देश भक्ति का जज्बा पैदा कर दे। ये काम एक स्कूल से बेहतर और कोई नहीं कर सकता है इसलिए हम इस सत्र से अपनी अकेडमी को सैट जोसेफ

स्कूल, छुटमलपुर (सहारनपुर) से जोड़ रहे है। अकेडमी में बच्चों का सर्वागीण विकास किया जायेगा। जिसमे एन.डी.ए, एस. एस. बी और आर्मी व अन्य पुलिस फोर्स की तैयारी करवाई जायेगी। बच्चो के अंदर ऐसे संस्कार डाले जायेगे कि वो अपने परिवार व अपने देश का नाम रोशन कर सके। सैट जोसफ स्कूल, छुटमलपुर एक ऐसे क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाए हुए है जो कि शिक्षा के मामले में पिछड़ा हुआ है। स्कूल चेयरमैन शिशिर राणा उस क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने के लिए अपनी प्रतिबद्दता के प्रति सजग है। चेयरमैन ने माइकल डिसूजा को प्रधानाचार्य के रूप चुना है जो कि शिक्षा के प्रति अपनी समर्पित, जुनून और कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते है।

दून वैली मेल

संपादकीय

किसान आंदोलन में उलझी सरकार

दो साल पहले की तरह एक बार फिर किसानों द्वारा दिल्ली बॉर्डर पर डेरा डाल दिया गया है। दिल्ली की सीमाएं सील है बॉर्डर पर पुलिस फोर्स तैनात है। कटीले तार और सीमेंट पोल के साथ-साथ सड़कों पर कीलें ठोक दी गई है। ताकि किसान दिल्ली की सीमा में प्रवेश न कर सके। केंद्र सरकार और किसानों के बीच जिस तरह संघर्ष इन दिनों पंजाब व हरियाणा बॉर्डर पर देखा जा रहा है वह किसी युद्ध जैसे हालात का एहसास कराने वाला है। जमीन और आसमान से बरसते अश्रु गैस के गोलों से धुआं धुआं हुआ वातावरण और पुलिस की गोलियों की तड़तड़ाहट और अपनी जान की सुरक्षा के लिए भेड़ बकरियों की तरह इधर-उधर दौड़ते किसानों को देखकर हर कोई हैरान है कि देश के अन्नदाताओं के साथ आखिर यह हो क्या रहा है। बीते कल एक युवा 22 वर्षीय किसान की इस संघर्ष के दौरान गोली लगने से मौत हो गई पुलिस ने आंदोलनकारी किसानों के दो दर्जन से अधिक ट्रैक्टरों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। एक बड़ी संख्या में किसानों के लापता होने की बात भी कहीं जा रही है। सरकार एक तरफ किसानों से वार्ता कर रही है वहीं दूसरी तरफ वह दमनात्मक कार्यवाही कानून व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर कर रही है किसानों के बैंक अकाउंट से लेकर उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर ताले डाले जा रहे हैं। 2021-22 के किसान आंदोलन के दौरान 750 से अधिक किसानों की जान गई थी सालों लंबे चले आंदोलन के दौरान किसान नेताओं की 15 दौर की लंबी वार्ता चली थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्षमा मांगते हुए उन तीन कृषि कानूनों को वापस तो ले लिया गया था लेकिन किसानों की एमएसपी गारंटी कानून की मांग पर विचार करने की बात कह कर टाल दी गई थी। किसानों को लगता है कि सरकार उनकी मांग को मानने वाली नहीं है यही कारण है कि वह चुनाव से पूर्व दिल्ली की ओर चल पड़े हैं। लेकिन बॉर्डर पर किसानों की घेराबंदी की जा रही है। किसान किसी भी तरह घर लौटने को तैयार नहीं है और सरकार एमएसपी पर गारंटी कानून लाने को तैयार नहीं है ऐसी स्थिति में सरकार एक बार फिर किसानों को वार्ता में उलझा कर समय को लंबा खींचती दिख रही है लेकिन बेचैनी इस बात को लेकर है कि चुनाव सर पर है। किसानों के साथ यह टकराव अगर आगे बढ़ा तो इसके परिणाम अच्छे नहीं रहने वाले। किसानों द्वारा सरकार के रवैया के खिलाफ आज काला दिवस घोषित किया गया है तथा 26 फरवरी को ट्रैक्टर मार्च की घोषणा कर दी गई है। सरकार ने 2016 में किसानों की आय दो गुना करने का वायदा किया था सरकार की मंशा थी कि वह कृषि क्षेत्र को कॉर्पोरेट के हवाले कर देश के किसानों को खेतीहर मजदूर बना दे लेकिन किसानों ने यह नहीं होने दिया। सरकार जिस विकसित भारत की बात कर रही है या शगुफा छोड़ रही है वह न तो बिना किसानों के संभव है और न 10 फीसदी विकास दर के संभव है सरकार को सिर्फ कृषि क्षेत्र में कॉर्पोरेट के निवेश से ही अपना लक्ष्य पूरा होता दिख रहा है लेकिन वह अब किसान होने नहीं देंगे जो अब सरकार के लिए मुसीबत बना है। एमएसपी की कानूनी गारंटी सरकार कारपोरेट के दबाव में दे नहीं पा रही है। तब उसके पास किसानों पर लाठी डंडे बरसाने व अश्रु गैस के गोले दागने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है किंतु इस विकल्प से लोकसभा चुनाव में खेल खराब हो सकता है। यह देखना होगा कि सरकार अब किसानों से कैसे निपटती है या किसान सरकार से कैसे निपटते हैं।

परिचित बनकर ठगे 27 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। परिचित बनकर तीन हजार की जगह तीस हजार रूपये खाते में डालने व 27 हजार रूपये वापस मांगकर साईबर ठगों ने शिकार बनाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू रोड निवासी डॉ. केशव भारद्वाज ने शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 09 जुलाई 23 को एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया उन्होने बताया कि उसने उसके खाते में 30 हजार रूपये जमा कर दिये है जबकि उसको जमा 3 हजार रूपये करने थे उसने 30 हजार रूपये जमा होने का मैसेज भेजा तथा कहा कि गलती से 3 हजार के बजाय 30 हजार रूपये जमा हो गये है आप 27 हजार रूपये वापस करें। इस पर उसको उसको 27 हजार रूपये वापस कर दिये जब बाद में उसने अपना अकाउण्ट चैक किया तो पता चला कि उसके अकाउण्ट में कोई भी पैसा नहीं आया। तब उसको पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुयी है तथा उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ हो गया। उसी दिन उसके द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर कम्पलेन किया गया। अवगत कराना है कि उक्त धनराशि 27 हजार रूपये होल्ड हो गये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्र त आश्विनी: पवमान धीजुवो दिव्या असृग्रन्पयसा धरीमणि।
प्रान्तर्ऋषय स्थाविरीरसृक्षत ये त्वा मृजन्त्यृषिषाण वेधस: ।।
(ऋग्वेद ९-८६-४)

परमात्मा सभी को पवित्र करते हैं। उनकी ज्ञान रश्मि विद्युत की गति से आत्मा में प्रकट होती है। ज्ञानी मनुष्य उन दिव्य ज्ञान धाराओं का अपने हृदय में साक्षात्कार करते हैं आप भी ऐसा ही करें।

ट्रांसजेंडर अदिति ने किया 'निवाला प्यार का' नाम से फूड वैन का स्वरोजगार शुरु

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। ट्रांसजेंडर अदिति शर्मा ने कारगी चौक के निकट प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का लाभ लेते हुए निवाला प्यार का नाम से फूड वैन का स्वरोजगार प्रारंभ किया है।

इस फूड वैन का उद्घाटन उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि यह बहुत ही गर्व का विषय है कि आज अदिति द्वारा रूढ़िवादिता को तोड़ते हुए स्वरोजगार को शुभारंभ किया गया है। अदिति ने समाज में एक मिशाल पेश की है जो खुद सशक्त होना चाहती है। आयोग भी चाहता है कि ट्रांसजेंडर खुद के पैरों पर खड़े हों क्योंकि ट्रांसजेंडर भी हमारे समाज का अभिन्न अंग है और आज सरकार उन्हें हर प्रकार से सहयोग देकर विभिन्न योजनाओं से जोड़ रही है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेकों लोगों को योजना का लाभ मिल रहा है तथा वे विभिन्न माध्यमों से सशक्त होकर आगे बढ़ रहे हैं वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा हमारी सरकार भी इस प्रकार के लोगों का का सहयोग करते हुए उन्हें बढ़ावा दे रही है।

फूड वैन के शुभारंभ के दौरान जिला ग्राम उद्योग अधिकारी अलका पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि अतिथि उत्तराखंड की पहली ट्रांसजेंडर है जिन्होंने शासकीय योजना का लाभ लेकर स्वरोजगार प्रारंभ किया है उनको उत्तराखंड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड से आवेदन कर कर पीएनबी से अरुण दिलवाया गया तथा उनका फूड वैन का रोजगार शुरू कराया गया जिसमें NISBUD ने सभी आवेदन भरने की प्रक्रिया में अदिति का सहयोग किया।

वहीं, अदिति शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि देखा जाता है अक्सर ट्रांसजेंडर विभिन्न जगहों पर मांगते हैं। लेकिन आयोग की अध्यक्ष ने प्रोत्साहित किया तो खुद का रोजगार शुरू करने का निर्णय लिया। समाज के कुछ लोगों ने आगे बढ़ने को प्रोत्साहित किया नतीजा आज फूड वैन संचालित करने का मौका मिला है। सुबह 9 से रात 10 बजे तक लोगों को घर जैसा खाना परोसेंगे।

इस अवसर पर उत्तराखंड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड से राजेंद्र गूँसाई, गौरा शर्मा, रीमा तथा विभिन्न लोग उपस्थित रहे।

तीन लोगों पर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। परेशान होकर आत्महत्या करने पर मृतक की पत्नी ने तीन लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोलिटेयर ऐवन्यू जीएमएस रोड निवासी आंचल भटेजा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति मोहित भटेजा निवासी ब-502 सोलिटेयर ऐवन्यू निवासी थे यह कि प्रवेश कुमार मित्तल पुत्र तीरथ प्रकाश मित्तल एवं राघव मित्तल पुत्र प्रवेश मित्तल निवासी दून टूफलगढ दोहरन रोड एवं मरिनल डोभाल निवासी दून ट्रफलगड द्वारा बीते कई दिनो से बहुत ही परेशान किया जा रहा था उक्त व्यक्तियो पर उसके पति के काफी पैसे थे जिसको वो काफी समय से दे नही रहे थे जिसके कारण उनके द्वारा दबाव बनाने हेतु एसटीएफ मे झूठे प्रार्थाना पत्र देकर बार-बार बुलाकर दबाव बनाया जा रहा था एंव उसके पति को रास्ते मे रोककर मित्तल के लोगो द्वारा डराया धमकाया जा रहा था एंव परिवार को जान से मारने को कहा जा रहा था। इसकी सूचना उसके पति द्वारा डीजीपी, आईजी एवंम एसएसपी एंवम थाना पटेलनगर मे भी दे दी गई थी इन प्रार्थाना पत्र पर कोई कार्यावाही नही हुई। आज 21 फरवरी 24 लगभग 4 बजे सांय अपने पुत्र के साथ घर से बाहर गई जब वह लोटकर आयी तो घर का दरवाजा खोलने पर उसके पति मोहित भटेजा रस्सी द्वारा ड्राइंग रुम में पंखे से लटके मिले जिसकी सूचना उसने पुलिस को दे दी उनके आने के बाद उन्हे पंखे से उतारा गया एवं मंहत इंद्रेश हास्पिटल लेकर गये। जहाँ चिकित्सको द्वारा उन्हे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सीटू ने नरेन्द्र मोदी का पुतला फूंक कर विरोध दिवस मनाया

संवाददाता

देहरादून। किसान आंदोलन का दमन करने के लिए किसानों पर गोलीबारी करने पर सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला फूंका।

आज यहां पूर्व नियोजित कार्यक्रमानुसार सीटू से जुड़े कार्यकर्ता सीटू कार्यालय में एकत्र हुये और वहां नारे लगाते हुए प्रधानमंत्री का पुतला लेकर जलूस के रूप में राजपुर रोड गांधी पार्क से होते हुए क्वालटी चौक पहुंचकर पुतला फूंका। इस अवसर पर सीटू के प्रांतीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन को मोदी सरकार द्वारा दमन किया जाना उचित नही है बल्कि उनसे वार्ता कर एम.एस.पी. पर कानून बनाने के बजाए आंदोलन का दमन कर रही है जिस कारण नौजवान किसान की मृत्यु हो गई जिस कारण समूचे किसान-मजदूरो वर्ग में व्यापक रोष व्याप्त है। इस लिए आने वाले चुनाव में मजदूर किसान ही मोदी सरकार को सत्ता से बेदखल कर देंगे।

सीटू के प्रांतीय सचिव लेखराज ने कहा कि वर्तमान मोदी सरकार द्वारा आंदोलित किसानो पर बर्बर हमला किया जा रहा है जिससे ऐसा लग रहा है कि जैसे किसान न हो कर दुश्मन देश की सेना हो और उनपर गोलीबारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि सीटू पूरे देश मे इसके खिलाफ आज देशव्यापी विरोध दिवस व काला दिवस मना रही है उसी के तहत आज सीटू ने नरेन्द्र मोदी का पुतला फूंक कर विरोध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय किसान सभा के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सजवाण ने केंद्र की मोदी सरकार को किसानों की हत्यारी सरकार की संज्ञा दी उन्होंने कहा कि किसान अपनी मांगों को बिना मनवाए नही मानेंगे। इस अवसर पर अनन्त आकाश, राजेन्द्र पुरोहित, कमरुद्दीन, आंदोलनकारी परिषद संरक्षक नवनीत गुसाई, भीम आर्मी के अमजद, रविन्द्र नौढियाल, रामसिंह भंडारी, अर्जुन रावत, चित्रकला, पूनम सिंह, एस.एफ. आई के प्रांतीय सचिव हिमांशू चौहान, शैलेन्द्र परमार, अनील गोस्वामी, अली अहमद, सुनीता रावत, लक्ष्मी पंत, मनीषा, अर्चना, रीता देवी आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जीवाईएएन ही देश की जाति

अजय दीक्षित

पिछले कुछ महीनों से विपक्षी देश में जातिगत जनगणना की मांग करते आ रहे हैं। बिहार में तो नीतीश कुमार जब से आर.जे.डी. के साथ थे, जातिगत जनगणना करा दी थी। इसे सर्वे का नाम दिया गया क्योंकि जनगणना करने का अधिकार मात्रा केन्द्र को है। असल में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल जनगणना के द्वारा नारा दे रहे हैं कि जिसकी जितनी आबादी उसका उतना प्रतिनिधित्व। इसके उत्तर में मोदी जी ने देश में केवल चार जातियां बतलाई हैं-- महिला किसान गरीब और युवा। अब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसे जीवाईएएन का नाम दिया है यानि जी से गरीब, वाई से युवा, ए से अन्नदाता और एन से नारी। पिछले दिनों मध्य प्रदेश के झाबुआ में प्रधानमंत्री मोदी के 11 फरवरी के दौरे के समय डॉ. यादव ने अपने भाषण में कहा कि अब मध्यप्रदेश हर्षित है उत्साहित है। देश के लोकप्रिय और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन को सम्बोधित करने पधारे। इस दिन पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि थी जो समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। उनका एकात्म मानववाद का दर्शन ही पाथेय है। समाज की अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर समाज और सरकार को कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाले पं. दीनदयाल का पूरा जीवन समर्पण का प्रतीक था। यह ऐतिहासिक संयोग है कि इसी दिन ही संथाल परगना में क्रांतिकारी जनजातीय नायक वीर तिलका मांझी का जन्म हुआ था। जनजातीय समुदाय के प्रति प्रधानमंत्री जी का स्नेह, समर्पण और सम्मान हम सब जानते हैं। उन्होंने हमारे आग्रह को स्वीकार किया और झाबुआ आने पर सहमति दी। झाबुआ साधारण क्षेत्र नहीं है। यह क्षेत्र क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद की जन्मभूमि रही है। आज प्रधानमंत्री जी के झाबुआ आगमन पर मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि जनजातीय समाज के जल, जंगल और जमीन पर आंच न आए तथा उनके कल्याण के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने देश के 11 करोड़ से अधिक जनजातीय बंधुओं के हितों को संरक्षण प्रदान किया है। प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत के चार अमृत स्तंभ जीवाईएएन अर्थात जी से गरीब, वाई से युवा, ए से अन्नदाता और एन से नारी पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वर्ष 2047 तक भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ विगत दिनों निकाली गई विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान केन्द्र और राज्य की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के अंतर्गत 50 लाख से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री जी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास नारा दिया है। उनके मार्गदर्शन में हर गरीब और वंचित को सुविधाएं पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में केन-बेतवा परियोजना की तरह पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की स्वीकृति दी गई है, जो प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हमने श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना शुरू की। प्रधानमंत्री ने जनजातियों के स्वत्व, स्वाभिमान और स्वराज रक्षक भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित कर जनजातीय समुदाय का मान बढ़ाया है। मध्यप्रदेश में जनजातियों के उत्थान के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। जनजातीय युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश में भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजनाएं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना आदि लागू की गई है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से मप्र सरकार जो निर्णय ले रही है, वह भविष्य के संकल्पों को पूरा करने *के लिए मोदी जी की गारंटी है। मोदी जी के मन में मध्यप्रदेश है, इसीलिए, मुझे पूरी उम्मीद है कि जब भारत विश्व का विकसित राष्ट्र बनेगा, तब मध्यप्रदेश भारत के प्रांतों में अग्रणी होगा। अमृतकाल में अमृतपथ पर आगे बढ़ते हुए हम सभी विकसित भारत निर्माण के लिए विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लें। जबसे डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हुए हैं, वे रात-दिन एक करके प्रदेश को प्रगति पथ पर ले जा रहे हैं। यह सबको मुख्यमंत्री का सहयोग करते हुए प्रदेश की प्रगति में भागीदार बनना चाहिए।

रकुल प्रीत सिंह ने शेयर किया ग्लैमरस लुक, ऑफ शोल्डर ड्रेस में फ्लॉन्ट किया फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शादी की खबरों के बीच एक्ट्रेस का ग्लैमरस लुक वायरल हो रहा है। ब्राउन कलर की शिमरी ड्रेस में रकुल प्रीत सिंह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इंटरनेट पर रकुल के इस अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है।

रकुल प्रीत सिंह के लेटेस्ट लुक की बात करें तो एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपना ग्लैमर लुक शेयर किया है। ब्राउन कलर की शिमरी ड्रेस में रकुल प्रीत सिंह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। रकुल ने शिमरी ड्रेस के साथ लाइट मेकअप कैरी किया हुआ है। रकुल के फैंस उनके इस अवतार को काफी पसंद कर रहे हैं।

ब्लैक और गोल्डन ऑफ शोल्डर ड्रेस में रकुल प्रीत सिंह बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। रकुल ने अपने लुक को कंप्लीट करते हुए ब्राउन लिपस्टिक और ब्राउन स्मोकी आई मेकअप कैरी किया हुआ है। खुले बालों में एक्ट्रेस बेहद सिजलिंग लग रही हैं।

रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत और स्टाइलिश फोटो शेयर करती रहती हैं। उनका इंस्टाग्राम उनकी बोल्ड और स्टनिंग फोटो से भरा हुआ है। रकुल के फैंस उनके बोल्ड और स्टाइलिश लुक को काफी पसंद करते हैं।

दूध को पॉवरहाउस बेवरेज के रूप में क्यों जाना जाता है?

पहले के समय में दूध एक प्रधान वस्तु रही है. लाखों साल पहले दूध का सेवन करने का तरीका अलग था. हर घर में नजदीक के गौशाला से दूध इकट्ठा करके ताजा दूध का सेवन किया जाता था. ये भारत में एक लोकप्रिय परंपरा थी क्योंकि लोग मानते थे कि एक विश्वसनीय स्रोत से ताजा दूध प्राप्त करना उनकी जिम्मेदारी है.

हालांकि,ग्लोबलाइजेशन की वजह से, चीजें बदल गईं और दूध को पैक करके लोगों के घर-द्वार तक पहुंचाया जाने लगा. हम सभी दूध का सेवन करते हैं, लेकिन आबादी का एक बड़ा हिस्सा पास्चुरीकृत दूध का सेवन करता है, जो बहुत पौष्टिक नहीं हो सकता है, इसलिए आजकल हम बहुत से लोगों को दूध का सेवन करने के लिए ए2 देसी गाय के दूध और डेयरी उत्पादों से बदलते हुए देखते हैं.

अब, उपभोक्ताओं के बहुत बड़े हिस्से ने दूध का सेवन करना बंद कर दिया है क्योंकि वो दूध का स्वाद पसंद नहीं करते हैं, या लैक्टोज इनटोलरेंट हैं, या शायद एक निश्चित आहार पर, हालांकि, बहुत सारे न्यूट्रीशन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि दूध का सेवन करने से बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ होते हैं और हर एक को अपने आहार में डेयरी प्रोडक्ट्स को शामिल करना ही चाहिए. दूध में बहुत ही अच्छे पोषक तत्व होते हैं जो कैल्शियम और प्रोटीन सहित बढ़ते शरीर को सपोर्ट करने में मदद करते हैं.

दूध पीने के कई महत्वपूर्ण फायदे हैं जिनकी अक्सर अनदेखी की जाती है. आज हम आपको यहां इसके 5 वजह बता रहे हैं कि दूध का पोषण और गुणवत्ता क्यों महत्वपूर्ण है?

1. पोषक तत्व

अगर एक कोई सभी पोषक तत्वों को एक साथ नहीं खा सकता है तो वो निश्चित रूप से दूध पी सकते हैं. दूध में जरूरी पोषक तत्व होते हैं जो हमारे शरीर को चाहिए. ये सफेद ड्रिंक 9 जरूरी पोषक तत्वों का पॉवरहाउस है, जिनमें कैल्शियम, पोटेशियम, फास्फोरस, हाई क्वालिटी वाले प्रोटीन, विटामिन ए, डी और बी 12, राइबोफ्लेविन और नियासिन.

2. डाइजेस्ट

भारत में बहुत सारे लोग भोजन के पचने और पाचन से संबंधित समस्याओं की शिकायत करते हैं. दूध इस समस्या को हल करता है क्योंकि पेट के लिए इसे पचाना आसान होता है. ये हर एक के लिए एक पौष्टिक भोजन का काम करता है. 2 दूध एक बेहतरीन ऑप्शन है जिसे लोग स्विच करने के लिए देख सकते हैं, खासकर ऐसे लोग जो पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करते हैं. 2 दूध नियमित पाश्चुरीकृत दूध की तुलना में पचाने में आसान है.

3. प्रोटीन

दूध न केवल पोषक तत्वों से भरपूर होता है बल्कि प्रोटीन में भी हाई होता है. एक गिलास दूध में 8द्द प्रोटीन होता है. ये प्रोटीन मानव शरीर के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वो हमारी मांसपेशियों और सेल्स को बनाए रखने और उन्हें काम करने के क्रम में बेहतरीन बनाए रखने में मदद करते हैं. दूध में बीटा कैसिइन नामक प्रोटीन होता है जो वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है. बीटा कैसिइन के 2 प्रकार होते हैं- 1 और 2. ए 2 दूध में ए 2 बीटा-कैसिइन होता है जो मां के दूध के समान होता है और आपके शरीर के विकास में फायदेमंद होता है.

4. बीमारियों से लड़े

वर्षों से, लोग कहते रहे हैं कि एक सेब डॉक्टर को आपसे दूर रखता है जो कि सच है लेकिन दिन में एक गिलास दूध पीने से बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है. शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि दूध कई बीमारियों के जोखिम कारक को कम करने में मदद करता है. जैसे ये स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर होने के जोखिम को कम करता है. दूध में मौजूद लैक्टोज आपके लिवर में कोलेस्ट्रॉल के प्रोडक्शन को कम करने में मदद करता है. जिस तरह के दूध का सेवन किया जाता है उससे भी फर्क पड़ता है. उदाहरण के लिए, ए 2 दूध में एंटी-सेल गुण होते हैं जो कैंसर होने के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं.

5. स्ट्रेस बस्टर

जैसा कि हम जानते हैं कि दूध विटामिन और खनिजों का एक बड़ा स्रोत है. तो, एक लंबे दिन के बाद एक गिलास दूध पीने से आप शांत महसूस कर सकते हैं और आप अपनी मांसपेशियों और नसों को आराम दे सकते हैं. प्रोटीन ड्रिंक में रिच ये आपके हेल्दी डाइट का हिस्सा बनने के लिए दूसरे इनग्रेडिएंट्स के साथ जोड़ा जा सकता है.

पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द से निजात के लिए ये 5 आदतें बदलें

महिलाओं को हर महीने आने वाले पीरियड्स अपने साथ शारीरिक परेशानियां लेकर आते हैं। इस दौरान सबसे बड़ी दिक्कत होती है पेट में होने वाला दर्द। इस दर्द को पीरियड क्रैंप कहते हैं।दरअसल, पीरियड्स के दौरान गर्भाशय की मांसपेशियों में सिकुडन् होती है, जिस वजह से दर्द उठता है। इस स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से निपटने के लिए आपको अपनी रोजाना की कुछ आदतों को बदलना होगा।आइए ये आदतें और इन्हें बदलने की टिप्स जानते हैं।

पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना

खुद को हाइड्रेटेड रखने से आपको पीरियड्स में होने वाले दर्द से राहत मिल सकती है। डॉक्टरों के अनुसार रोजाना 8 गिलास पानी पीना सेहत के लिए अनिवार्य होता है।पीरियड्स के मुश्किल दिनों में पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से पेट की सूजन भी कम होती है और साथ ही दर्द से राहत मिलती है।हालांकि, हाइड्रेटेड रहने के लिए सोडा या कोल्ड ड्रिंक न पीयें। ये आपके दर्द को बढ़ा सकते हैं।

शारीरिक गतिविधियां न करना

पीरियड्स के दौरान शारीरिक गतिविधियां करना कभी न भूलें। यह बात सभी जानते हैं कि ऐसे जटिल दर्द में शरीर को हिलाना एक मुश्किल काम होता है, लेकिन दर्द से राहत पाने के लिए ये बेहद जरूरी है।पीरियड्स के वक्त शारीरिक एक्सरसाइज करना सुनिश्चित करें। आप इस दौरान सैर पर जा सकती हैं। इसके अलावा आप स्ट्रेचिंग या डांस करके भी खुद को एक्टिव रख सकती हैं।

कई महिलाऐं पीरियड्स के समय अपनी डाइट से ज्यादा खा लेती हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पीरियड्स के दौरान ज्यादा भूख लगती है। इसके चलते अक्सर महिलाएं जंक फूड या स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह खाने का सेवन करने लगती हैं।इस वक्त जरूरी होता है अपने शरीर में पौष्टिक और स्वास्थ्य लाभों से युक्त खाना पहुंचना। आप पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम और विटामिन- डी से लैस खान-पान का चुनाव करें।हो सके तो फल, ताजी सब्जियां और ड्राई फ्रूट्स खाएं।

ठंडे पानी से नहाना

पीरियड्स के दौरान ठंडे पानी से नहाने की गलती कभी न करें। पीरियड्स के वक्त आपको अपने शरीर को ठंड से बचाना होता है। इस समय ठंड लगने से पेट दर्द में इजाफा होता है।ऐसे में आप गर्म या हल्के गुनगुने पानी से ही नहाएं। गर्म पानी से नहाने से आपके बदन की सिकाई होती है, जिसके कारण दर्द से भी राहत मिलती है।इस दौरान ठंडे-ठंडे नहीं, बल्कि गर्म-गर्म पानी से नहाना चाहिए।

मानसिक तनाव में रहना

पीरियड्स के समय आपको तनाव से बचने के जरूरत है। तनाव शरीर में हार्मोनल मार्गों को प्रभावित करता है और यह पीरियड साइकिल को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को भी प्रभावित कर सकता है।तनाव से अनियमित पीरियड होने का खतरा रहता है। इससे पीरियड क्रैम्प्स और भी दर्द देने वाले हो जाते हैं।पीरियड्स के दौरान आप ऐसे काम करें, जिनसे आपका मन खुश और शांत रहे।

अंजलि अरोड़ा ने पिंक ब्रालेट पहन दिए पोज, एक्ट्रेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट के ओटीटी शो लॉकअप से अपनी खास पहचान बनाने वाली अंजलि अरोड़ा बेबाक खूबसूरती के लिए काफी जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वालीं अंजलि की कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं जिनमें वह अपनी हॉटनेस से तबाही मचा रही हैं। इंटरनेट पर अंजलि की ये फोटो अब आग की तरह वायरल हो रही हैं। सोशल मीडिया क्वीन अंजलि अरोड़ा अपने कातिलाना हुस्न के लिए काफी जानी जाती हैं। बी टाउन एक्ट्रेस कंगना रनोट के ओटीटी शो लॉकअप से फैंस के दिलों पर राज करने वालीं अंजलि हर किसी की फेवरेट बन चुकी हैं।

इस बीच अंजलि अरोड़ा की लेटेस्ट फोटो सामने आई हैं, जिनमें वह अपने स्टनिंग लुक के कहर बरपाती हुईं दिखाई दे रही हैं। आलम ये है कि अंजलि की ये फोटो इस समय इंटरनेट पर आग लगा रही हैं। सोशल मीडिया पर डांस रील्स वीडियो के जरिए फैंस का मनोरंजन करने वाली अंजलि अरोड़ा इस समय इंडिया की टॉप सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर में शुमार हैं। जिसका अंदाजा आप उनके 13.1 मिलियन फॉलोअर्स के जरिए आसानी से लगा सकते हैं। इस बीच अंजलि अरोड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है। इन फोटो में आप देख सकते हैं कि वह येलो और पिंक कलर के कॉम्बिनेशन वाली बेहद हॉट आउटफीट में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों से उनकी हॉटनेस का अनुमान लगाया जा सकता है। इससे पहले अंजलि अरोड़ा का ऐसा हद से ज्यादा बोल्ड अंदाज देखने को नहीं मिला होगा। अंजलि अरोड़ा की इन फोटो को देखकर फैंस का मानना हैं कि वह बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी को भी बोल्डनेस के मामले पीछे छोड़ रही हैं।

फरहान अख्तर की अगली फिल्म डब्बा कार्टेल में नजर आएंगी अंजलि आनंद

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में काम कर चुकीं अभिनेत्री अंजलि आनंद नेटफ्लिक्स के लिए फरहान अख्तर की अगली फिल्म डब्बा कार्टेल में नजर आएंगी। अंजलि वेब शो डब्बा कार्टेल के कलाकारों में शामिल हो गई हैं। शो का निर्माण फरहान और रितेश सिधवानी की कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा किया जाएगा। अभिनेता गजराज राव के साथ दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी इस शो का हिस्सा हैं। यह रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और बन टिक्की के बाद शबाना आजमी के साथ अंजलि का तीसरा प्रोजेक्ट होगा। फिलहाल शो के बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं है लेकिन शूटिंग पूरी हो चुकी है। अंजलि और अन्य कलाकार गुप्त रूप से एक हाई-स्टेक कार्टेल का संचालन करने वाली गृहिणियों की भूमिका निभाएंगे। डब्बा कार्टेल नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ एक महिला प्रधान अपराध ड्रामा है। कहानी को एक ताज़ा और संवेदनशील अवधारणा के रूप में संदर्भित किया जा रहा है, और यह एक वेब शो से बाहर आने वाली एक और सीमा तोडने़ वाली परियोजना है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पीठ दर्द को न करें इग्नोर, जानें क्यों होता है खतरनाक

पीठ दर्द आज के समय में आम बात हो गई है। क्योंकि आजकल की मॉर्डन लाइफस्टाइल और ऑफिस गोइंग लोगों को अक्सर यह समस्या होती है। इनमें से कुछ दर्द तो आराम से ठीक हो जाते हैं। लेकिन कुछ तो काफी दिनों तक परेशान करती है। लेकिन आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए पीठ में होने वाले दर्द का मतलब बताएंगे। पीठ दर्द एक आम समस्या है जो ज्यादातर लोगों को अपना शिकार बना लेती है।

पीठ में होने वाले दर्द के हो सकते हैं यह कारण

अगर आपके भी पीठ में अक्सर काफी ज्यादा दर्द रहता है तो रोजमर्रा के काम करने में भी काफी ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कई बार यह दर्द बेहद असहनीय हो जाता है। एक्सपर्ट के मुताबिक कई बार पीठ में इतना ज्यादा दर्द बढ़ जाता है कि यह खराब सेहत की निशानी है।

आजतक में छपी खबर के मुताबिक हर तरह के पीठ दर्द का इलाज अलग-अलग तरीके से किया जाता है। इनमें से कुछ दर्द ऐसे होते हैं जिसपर हमें खास ध्यान रखने की जरूरत है। यदि काफी ज्यादा मालिश और आराम करने के बाद भी दर्द में किसी भी तरह का सुधार नहीं हो रहा है तो आपको तुरंत किसी डॉक्टर को दिखाने की जरूरत है। जैसे छींकने, खांसने पर भी दर्द बढ़ जाता है तो आपको डॉक्टर को तुरंत दिखाना चाहिए।आपको इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए पीठ के किस हिस्से में दर्द हो रहा है?

पीठ के दोनों साइड में होने वाले दर्द का मतलब

अगर आपके पीठ के दोनों साइड में दर्द होता है तो इसके गंभीर संकेत हो सकते हैं। किडनी, आंत या गर्भाशय के कारण भी गंभीर दर्द हो सकते हैं। जब भी किडनी में दिक्कत होती है तो पीठ के दोनों तरफ से पसलियों में तेज दर्द होती है।

अगर किसी व्यक्ति को किडनी की समस्या है तो अक्सर दर्द वहां या उसके आसपास के एरिया में होता है जहां किडनी होती है। किडनी पसली के ठीक बीच में होती है। इसलिए यूटीआई और किडनी की समस्या वाले मरीज को अक्सर दर्द रीढ़ की हड्डी के दोनों तरफ होती है।

जूनियर एनटीआर की देवरा की रिलीज डेट में हुआ बड़ा बदलाव, अब 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

साल 2024 की मच अवेटेड फिल्मों में जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा पार्ट 1 भी शुमार हैं। टीजर जारी होने के बाद से ही फिल्म को लेकर ऑडियंस के बीच जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। फिल्म अप्रैल में रिलीज होने के लिए एकदम तैयार भी थी, लेकिन लेटेस्ट अपडेट शायद आपको थोड़ी देर के लिए निराश कर सकता है।

अगर आप देवरा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और अप्रैल में मूवी देखने की सोच रहे हैं तो यह इंतजार थोड़ा और लंबा होने वाला है। जी हां, फिल्म 5 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी। एक्शन से भरपूर फिल्म को देखने के लिए आपको दो महीने नहीं बल्कि आपको आठ महीने का इंतजार करना होगा। खुद जूनियर एनटीआर ने हालिया पोस्ट में खुलासा किया है।

जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस को देवरा से जुड़ा बड़ा अपडेट शेयर किया है, वो भी इंटेंस अवतार में। अभिनेता ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर देवरा से अपना धमाकेदार पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उनका खूंखार अवतार देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। घुटनों के बल बैठकर गुस्से में निहार रहे एनटीआर की आंखें दुश्मनों की रूह कंपाने के लिए काफी है।

पहले जाह्नवी कपूर और जूनियर एनटीआर की देवरा पार्ट 1 5 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट को खिसका दिया है। यह फिल्म 10 अक्टूबर 2024 को थिएटर्स में दस्तक देगी। फिल्म में जाह्नवी और एनटीआर के साथ सैफ अली खान भी लीड रोल प्ले कर रहे हैं। यह जाह्नवी की पहली तेलुगु फिल्म है।

अगर फिल्म 5 अप्रैल को थिएटर्स में रिलीज होती तो इसका अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से क्लैश होता, जो 9 अप्रैल को रिलीज हो रही है।

शब्द सामर्थ्य -81

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

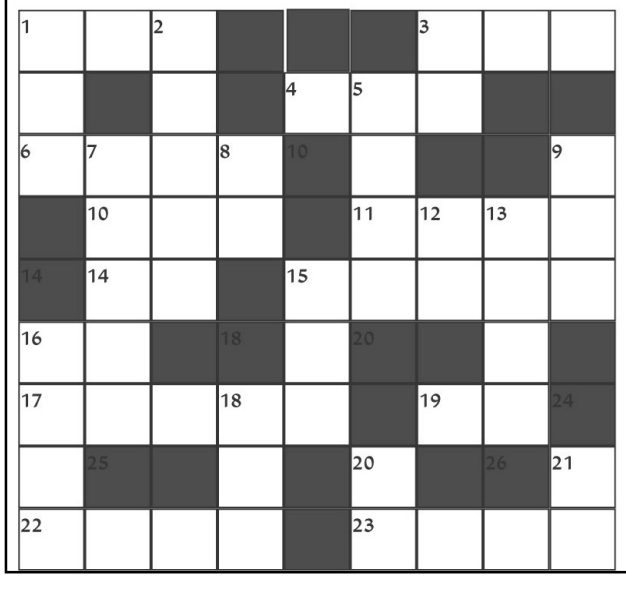

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

स्पाई-थ्रिलर जी2 का हिस्सा बनें इमरान हाशमी, एडिवि शेष के साथ मिलकर करेंगे जासूसी

इमरान हाशमी के करियर की गाड़ी एक बार फिर से पटरी पर बहुत ही तेजी से आगे बढ़ रही है। वह न सिर्फ बॉलीवुड फिल्मों में बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म और साउथ मूवीज में भी खूब काम कर रहे हैं। बीते साल 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई टाइगर 3 के बाद अब इमरान हाशमी एक और स्पाय थ्रिलर फिल्म का हिस्सा बने हैं। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म गुडाचारी के सीक्वल के साथ मेकर्स एक बार फिर से फिल्मी परदे पर लौटने की तैयारी कर रहे हैं। तेलुगु भाषा में बनी एक्शन से भरपूर इस स्पाई थ्रिलर फिल्म की कमान शशि किरण टिक्का ने संभाली थी। गुडाचारी के पहले पार्टी में एक्टर अदिवी सेठ के साथ सोभिता धुलिपाला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। गुडाचारी के सेकंड पार्ट में अब अदिवी सेठ के अलावा नई स्टार कास्ट शामिल होने जा रही है।

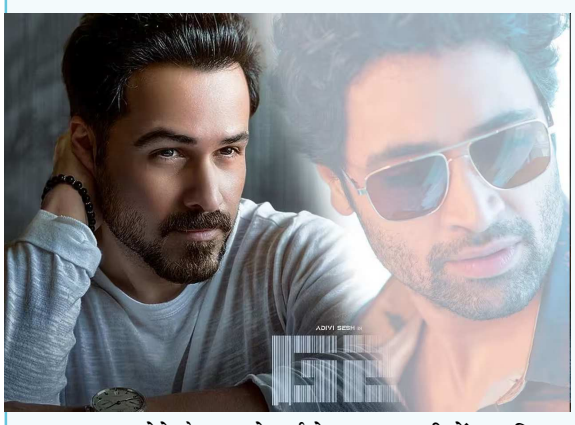

जी2 में अदिवी सेठ और बनिता संधू का नाम फाइनल होने के बाद मेकर्स ने अब हाल ही में इस फिल्म के लिए ऑनबोर्ड इमरान हाशमी का भी स्वागत करते हुए भी एक पोस्टर लॉन्च किया है। फिल्म के लीड एक्टर अदिवी सेठ ने अपनी मोस्ट अवेटेड स्पाय थ्रिलर फिल्म के लिए ऑनबोर्ड आने पर इमरान हाशमी का तहे दिल से स्वागत किया। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जी2 की टीम में एक्टर का स्वागत करते हुए लिखा, जी2 यूनिवर्स में शानदार एक्टर इमरान हाशमी का बहुत-बहुत स्वागत है। आपके साथ काम करने का इन्तजार नहीं कर सकता हूं। फायर होने वाला है। एक्टर अदिवी सेठ द्वारा मिले इस खास वेलकम के बाद इमरान हाशमी ने फिल्म से जुडने़ पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, अदिवी मैं इस फिल्म से जुड?र बेहद ही खुश हूं। बस अब इन्तजार नहीं कर सकता। मुझे सर कहकर किसी तरह की फॉर्मेलिटी करने की जरूरत नहीं है। जल्द ही मिलते हैं। इमरान हाशमी इस वक्त अपने करियर में सिर्फ बॉलीवुड पर फोकस नहीं कर रहे हैं, बल्कि वह ओटीटी और साउथ फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाते हुए नजर आ रहे हैं। जी2 बॉलीवुड के हैंडसम हंक इमरान हाशमी की दूसरी तेलुगु फिल्म है। वह साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की तेलुगु फिल्म ओजी में भी अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। उनकी ये फिल्म सितंबर 2024 में रिलीज होगी। खास बात ये है कि सालों बाद इमरान हाशमी के फैंस उनको स्क्रीन पर देखकर बेहद खुश हैं और उनसे ये गुजारिश करते हैं कि वह ज्यादा से ज्यादा स्क्रीन पर दिखाई दें। इमरान हाशमी इससे पहले सलमान खान की टाइगर 3 में नजर आए थे, जो एक स्पाई थ्रिलर फिल्म थी।

लाल सलाम ने बॉक्स ऑफिस पर तोड़ा दम, लाखों कमाना भी हुआ मुश्किल

आठ साल के ब्रेक के बाद ऐश्वर्या रजनीकांत ने अपनी लेटेस्ट रिलीज फिल्म लाल सलाम के साथ डायरेक्शन में कमबैक किया है. फिल्म में ऐश्वर्या के पिता और सुपरस्टार रजनीकांत ने भी एक्सटेंडेड कैमियो किया है. वहीं विशु विशाल और विक्रांत ने स्पोर्ट्स ड्रामा में लीड रोल निभाया है. इस फिल्म को रिलीज हुए 8 दिन हो चुके हैं लेकिन ये सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल नहीं जीत पाई है. इसी के साथ फिल्म कमाई के मामले में भी पीछे रह गई है. चलिए यहां जानते हैं लाल सलाम ने रिलीज के 8वें दिन कितनी कमाई की है. लाल सलाम 9 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत ही काफी धीमी रही. 3.55 करोड़ रुपये से लाल सलाम ने अपना खाता खोला था. उम्मीद थी की वीकेंड पर फिल्म का कारोबार बढ़ेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ और फिल्म की कमाई में हर दिन गिरावट दर्ज की गई. अब तो आलम ये है कि लाल सलाम बॉक्स ऑफिस पर रेंग रही है. फिल्म की कमाई की बात करें तो लाल सलाम ने पहले दिन 3.55 करोड़, दूसरे दिन 3.25 करोड़, तीसरे दिन 3.15 करोड़, चौथे दिन 1.55 करोड़, पांचवें दिन 1.45 करोड़, छठे दिन 1.21 करोड़ और सातवें दिन ०.92 करोड़ की कमाई की. इसी के साथ लाल सलाम के पहले हफ्ते का कलेक्शन महज 15.०8 करोड़ रुपये हो पाया. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक लाल सलाम ने रिलीज के 8वें दिन महज 27 लाख की कमाई की है. इसके बाद लाल सलाम का 8 दिनो का कुल कलेक्शन 15.35 करोड़ रुपये हुआ है. लाल सलाम की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस काफी निराशाजनक है. फिल्म अब लाखों में भी कमाई नहीं कर पा रही है और महज आठ दिन में ही लाल सलाम का बॉक्स ऑफिस पर खेल खत्म होता हुआ नजर आ रहा है. फिल्म के लिए टिकट खिड?ी पर और ज्यादा टिकना नामुमकिन लग रहा है.

किटू गिडवानी फीचर फिल्म मैडम ड्राइवर में आएंगी नजर

अर्थ, स्वाभिमान और फैशन जैसी फिल्मों से स्टारडम हासिल करने वाली एक्ट्रेस किटू गिडवानी निर्देशक इंद्रजीत नट्टोजी की अपकमिंग फीचर फिल्म मैडम ड्राइवर में नजर आने के लिए तैयार हैं।

नट्टोजी ने कहा, मैडम ड्राइवर गुजरात की एक मध्यम आयु वर्ग की महिला की कहानी है, जब वह गाड़ी चलाना सीखती है, तो समाज के ताने-बानों का सामना करती है, नए रिश्ते बनाती है और स्वतंत्रता को अपनाती है।

फीचर फिल्म में मनमोहिनी और बेहद 2 फेम अंकित सिवाच और एक्ट्रेस भावना पानी भी हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया गया है।

मैडम ड्राइवर कलाकार और फिल्म निर्माता इंद्रजीत नट्टोजी द्वारा निर्मित है, जो भारत के छोटे शहरों में महिलाओं की कहानियों को प्रदर्शित करते हैं। स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स क्रमश- अरुशी कौशल और

समीर सतीजा द्वारा हैं।

आई.एन.के. पिक्चर्स एल.एल.पी. द्वारा निर्मित, ग्रे ऑउल बार्नस्टॉर्म प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से और काइनेटिग्रा मीडियास एंड प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सह-निर्मित है।

विश्वेक सेन स्टारर फिल्म गामी वर्ल्डवाइड सिनेमा में रिलीज होगी

साउथ सिनेमा से और फिल्म वर्ल्डवाइड सिनेमा पर रूल करने आ रही है। अपकमिंग तेलुगू फिल्म गामी बीते दिनों से खूब चर्चा में हैं। इस फिल्म को विद्याधर कागिता ने डायरेक्ट किया है और कार्तिक सबरीश इसके निर्माता हैं। गामी का टीजर रिलीज हो चुका है। इस टीजर के साथ-साथ फिल्म के सभी किरदारों को फर्स्ट लुक भी सामने आ चुके हैं। गामी एक तेलुगू फिल्म है, जो वर्ल्डवाइड सिनेमा में रिलीज होगी। जानिए फिल्म गामी में कौन-कौन प्ले करेंगे अहम रोल और कब रिलीज होगी यह फिल्म?

विश्वेक सेन और चांदनी चौधरी स्टारर फिल्म गामी के मेकर्स ने एलान किया था कि फिल्म का टीजर और फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज होगा और मेकर्स के तयसमयानुसार फिल्म का टीजर और फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया गया है।

फिल्म गामी में विश्वेक सेन एक अघोरा का किरदार करेंगे। इस फिल्म पर बीते चार साल से काम चल रहा है। इस फिल्म में विश्वेक सेन और चांदनी के अलावा एमजी अभिनाया, मोहम्मद समद, दयानंद रेड्डी और हरिका पिदादा अहम रोल में होंगे। वहीं, मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर की भी रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। फिल्म गामी का ट्रेलर आगामी 29 फरवरी को रिलीज होने जा रहा है। बता दें, यह फिल्म 8 मार्च को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।

रवि किशन स्टारर कोर्टरुम-ड्रामा सिरीज मामला लीगल है का ट्रेलर रिलीज

निर्देशक राहुल पांडे की फिल्म कॉमेडी शो मामला लीगल है रिलीज को तैयार है। कोर्ट रूम की कहानी पर आधारित पर इस फिल्म में रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत वी जोशी, नायला ग्रेवाल, अंजुम बत्रा, विजय राजोरिया, यशपाल शर्मा जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया, जिसके जबर्दस्त कॉमेडी दृश्य ने दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है।

कोर्ट रूम के अंदर की कहानी को निर्देशक राहुल पांडे ने बेहतरीन तरीके से पिरोया है। वहीं, फिल्म के अभिनेता भी अपने किरदार में खूब जम रहे हैं। रवि किशन और यशपाल शर्मा वकील की भूमिका में हैं, जिनकी डायलॉग डिलेवरी और कॉमिक टाइमिंग ने सीन को मजेदार बना दिया है। ट्रेलर में जबर्दस्त अदालती पंच लाइन को पेश किया गया है। सीरीज एक मार्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

सीरीज के ट्रेलर में पटपड?ंज जिला न्यायालय को दिखाया गया है, जहां अभिनेता रवि किशन वीडी त्यागी के रूप में एक चतुर वकील के किरदार में हैं। वे कानून के लंबे हाथ को चुनौती देते हैं।

उनके साथ हार्वर्ड एलएलएम की पूर्व छात्रा अनन्या श्रॉफ भी है, जो फिल्म में नैला ग्रेवाल के किरदार में है। ट्रेलर में सुजाता नेगी भी नजर आ रही हैं, उन्होंने निधि बिष्ट का किरदार निभाया है। हालांकि, उन्होंने अभी तक एक भी केस नहीं लड़ा है, लेकिन उन्हें खुद के लिए एसी ऑफिस चाहती हैं। इसके अलावा कोर्ट मैनेजर विश्वास पांडे का किरदार में अनंत वी जोशी नजर आ रहे हैं, जिनका सिर्फ कोट काला है पर दिल नहीं।

सीरीज के बारे में बताते हुए अभिनेता रवि किशन ने कहा, यह पहली बार है जब मैंने एक वकील का किरदार निभाया है और मैं आपको बता नहीं सकता कि यह कितना मजेदार था। समीर, राहुल और सौरभ के साथ काम करना शानदार रहा, जब उन्होंने पहली बार मुझे इसकी कहानी सुनाई तो मैं इसे मना नहीं कर सका, क्योंकि मैं इन किरदारों की कल्पना कर सकता था।

खाकी के बाद नेटफ्लिक्स के साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है। मुझे यह पसंद है कि वे एक अभिनेता को दो विभिन्न भूमिकाओं के साथ चुनौती देते हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को मामला लीगल है देखने में उतना ही मजा आएगा जितना हमें इसे बनाने में आया है।

क्यों किसानों की मांगे नहीं मानते ?

अजीत द्विवेदी

ऐसा लग रहा है कि केंद्र सरकार ने एक साल तक चले किसान आंदोलन का सबक भुला दिया है। तभी वह एक बार फिर किसान आंदोलन को रोकने और किसानों को दबाने के लिए उन्हीं उपायों का सहारा ले रही है, जिनका इस्तेमाल 2020-21 के किसान आंदोलन के समय किया गया था। तब किसानों को दिल्ली कूच करने से रोकने के लिए रास्ते बंद किए गए। फोन और इंटरनेट पर पाबंदी लगाई गई। किसानों को बदनाम करने के लिए एक पूरा इकोसिस्टम विकसित किया गया, जिसने किसानों और उनसे सहानुभूति रखने वालों को देशद्रोही ठहराया। किसानों को विदेश से फंडिंग मिलने और भारत विरोधी टूलकिट से मदद मिलने की बातें प्रचारित करके उनको बदनाम करने का प्रयास किया गया। इन सबका कुल जमा नतीजा यह था कि किसान एक साल तक सड? पर लड़ते रहे, जिसमें सात सौ किसानों की जान गई और अंत में केंद्र सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए तीनों कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया तब ऐसा लगा था कि सरकार को सबक मिल गया है। सरकार ने समझ लिया है कि किसानों से टकराने या उन्हें आजमाने का कोई मतलब नहीं है। लेकिन एक बार फिर किसान आंदोलन पर उतरे हैं तो वही सारी तिकड़में आजमाई जा रही हैं। किसानों से दिखावे की बातचीत हुई है, जैसी बातचीत तब होती थी। किसान नेताओं के ट्विटर हैंडल बंद कराए गए हैं। पंजाब से लगती हरियाणा की सीमा पर ऐसी बाड़ेबंदी की गई है, जैसी भारत पाकिस्तान की सीमा पर नहीं है। सडों पर कंक्रीट की दीवारें खड़ी कर दी गई हैं। लोहे की बड़ी बड़ी कीलें सडों पर लगाई गई हैं। कंटेनर लगा कर सडों को बंद किया गया है। किसानों के ऊपर ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। दिल्ली की सीमा भी चारों तरफ से बंद कर दी गई है।

सोचें, किसान ऐसा क्या कर रहे हैं कि उनके लिए इस तरह से उपाय करने की जरुरत है? किसान उन्हीं मांगों को तो दोहरा रहे हैं, जिनको सरकार ने नवंबर 2021 में मान लिया था। उस समय सरकार ने किसानों से कई वादे किए थे लेकिन एक बार आंदोलन खत्म होने के बाद जब किसानों की मांगें पूरी करने की बारी आई तो टालमटोल का दौर शुरू हो गया। न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की किसानों की मांग पर एक कमेटी बना दी गई। कमेटी की रिपोर्ट का क्या हुआ किसी को पता नहीं है लेकिन इतना पता है कि किसान सरकार की पहल से संतुष्ट नहीं हैं और न सहमत हैं। तभी एक बार फिर उनको उसी मांग के लिए सड? पर उतरना पड़ा है, जिसे मानने का वादा सरकार ने दो साल पहले किया था।

किसान चाहते हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा दिया जाए। इसके जवाब में सरकार और इसके इकोसिस्टम की ओर से समझाया जाता है कि अब तो निजी कारोबारी एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज खरीद रहे हैं। इसके आंकड़े भी पेश किए जाते हैं, जिसमें बताया जाता है कि कहां निजी कारोबारियों ने एमएसपी से कितनी ज्यादा कीमत पर अनाज की खरीद की, उस कारोबारी ने किसानों को कितनी सुविधाएं दीं और उसके भुगतान का सिस्टम कितना अच्छा है। सवाल है कि जब खुले बाजार में एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज की खरीद फरोख्त हो रही है किसान सरकार से ज्यादा निजी कारोबारियों को अनाज बेच रहे हैं तो सरकार को एमएसपी को कानूनी दर्जा देने में क्या दिक्कत है? सरकार कानूनी दर्जा दे दे कि एमएसपी से कम कीमत पर अनाज की खरीद फरोख्त गैरकानूनी होगी।

सरकार ऐसा नहीं कर रही है इसका मतलब है कि पूरे मामले में कोई पेंच है। असल में यह बाजार की तिकड़म होती है कि शुरू में आकर्षित करने के लिए बेहतर डील दो और उसके बाद मनमानी करो। किसानों को आशंका है कि निजी कारोबारियों के खरीद का सिस्टम इसी तरह से चलता रहा तो थोड़े समय में सरकारी खरीद का सिस्टम बिगड़ जाएगा और बंद कर दिया जाएगा। तब किसान कारोबारियों के हवाले हो जाएगा और फिर कारोबारी मनमानी करेंगे। अगर सरकार एमएसपी को कानूनी दर्जा दे देगी तो भले सरकारी खरीद का सिस्टम बंद हो जाए लेकिन बाजार में किसानों का अनाज अच्छी कीमत पर बिकेगा। तभी सरकार को किसानों की इस मांग पर ध्यान देना चाहिए।

एमएसपी से ही जुड़ी उनकी यह भी मांग है कि एमएसपी को कानूनी दर्जा देने के साथ साथ सभी उपज की एमएसपी तय हो और एमएसपी निर्धारित करने के लिए एमएस स्वामीनाथन फॉर्मूले का इस्तेमाल किया जाए। केंद्र सरकार ने हाल ही में एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया है। निश्चित रूप से वे इस सम्मान के हकदार थे और बहुत पहले उनको यह सम्मान मिलना चाहिए था। देर से ही सही लेकिन उन्हें भारत रत्न मिल गया तो अब सरकार को उनकी ओर से तय किए गए फॉर्मूले पर एमएसपी तय करना चाहिए। सरकारें बार बार स्वामीनाथन फॉर्मूले की चर्चा भी करती हैं। लेकिन उसके हिसाब से किसानों को अनाज की कीमत नहीं देना चाहती हैं। सरकार को अब इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए कि खाद, बीज के दाम और सिंचाई में होने वाले खर्च के साथ साथ फसल को मंडी तक पहुंचाने के खर्च और किसान परिवार के सदस्यों की मजदूरी और जमीन के किराए को शामिल करके लागत तय हो और उसके ऊपर एक निश्चित मुनाफा तय किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि वे मानते हैं कि देश में चार जातियां हैं। उन्होंने महिला, गरीब और युवा के साथ चौथी जाति के तौर पर किसान को शामिल किया।

सवाल है कि क्या वे इस जाति के लिए कुछ सोच रहे हैं? उन्होंने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की घोषणा की थी। आज 2024 में सरकार और सरकारी दल भी यह दावा नहीं कर रहे हैं कि किसानों की आय दोगुनी हो गई। उलटे कृषि लागत बढ़ती गई है, जिससे किसान की कमाई खत्म हो गई है। अगर सचमुच प्रधानमंत्री किसानों को एक जाति मान रहे हैं और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं तो स्वामीनाथन फॉर्मूले के आधार पर सभी फसलों की एमएसपी तय की जाए और एमएसपी को कानूनी रूप दिया जाए ताकि किसी स्थिति में किसान के साथ धोखाधड़ी न हो पाए।

इसके अलावा किसान पेंशन की मांग भी कर रहे हैं और यह मांग भी जायज है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने किसानों के लिए तीन हजार रुपए पेंशन की योजना घोषित की। सरकार ने तय किया कि 60 साल से ऊपर की आयु के सीमांत व लघु किसानों को तीन हजार रुपए मासिक पेंशन मिलेगी। इसमें महिला और पुरुष दोनों किसान शामिल होंगे।

केंद्र सरकार को इस मॉडल के बारे में सोचना चाहिए और राज्यवार किसानों की आमदनी के हिसाब से पेंशन की राशि तय करनी चाहिए। इस बार किसान आंदोलन इस मायने में अलग है कि इस बार इसमें मजदूरों को भी शामिल किया गया है और उनके लिए न्यूनतम मजदूरी की सीमा बढ़ाने के साथ साथ मनरेगा के तहत दो सौ दिन की रोजगार गारंटी की भी मांग की गई है। यह ध्यान रखने की बात है कि किसानों की बड़ी आबादी अब कृषि मजदूर में तब्दील हो गई है इसलिए किसानों के साथ उनके हितों का जुडऩा एक स्वाभाविक घटनाक्रम है। सो, इस बार आंदोलन का दायरा बड़ा हो गया है। इसलिए सरकार को भी सोच बड़ी करके इस आंदोलन के बारे में विचार करना चाहिए।

सू- दोकू क्र. 81

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

इंडोनेशिया में निरंतरता

नव- निर्वाचित राष्ट्रपति 72 वर्षीय प्राबोवो सुबियांतो इस समय देश के रक्षा मंत्री हैं। वे पूर्व सैनिक जनरल हैं। इसके अलावा उनकी एक और पहचान पूर्व सैनिक तानाशाह सुहार्तो के पूर्व दामाद के रूप में भी है।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति चुनाव में प्राबोवो सुबियांतो की जीत में आरंभ से ही कोई शक नहीं था। चुनाव नतीजे ने उनके देश का अगला राष्ट्रपति बनने पर मुहर लगा दी है। इस पद पर सुबियांतो के आने के साथ 17 हजार से अधिक द्वीपों से बने और सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वाले इस देश में पारंपरिक शासक वर्ग सत्ता पर सीधे पुनर्स्थापित हो जाएगा। 2014 में बाहरी समझे जाने वाले जोको विडोडो ने चुनाव जीत तक यह उम्मीद जताई थी कि देश में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की का नया माहौल बनेगा। लेकिन जल्द ही विडोडो को यह अहसास हो गया कि सत्ता का टिकाऊ बनाने के लिए उन्हें पारंपरिक प्रभावशाली समूहों के साथ मिलकर चलना होगा। इस तरह उन्होंने जिन सुबियांतो को चुनाव में हराया था, उनसे हाथ मिला लिया। इस समय 72 वर्षीय सुबियांतो देश के रक्षा मंत्री हैं। वे पूर्व सैनिक जनरल हैं। इसके अलावा उनकी एक और पहचान पूर्व सैनिक तानाशाह सुहार्तो के पूर्व दामाद के रूप में भी है। जाहिर है, उनके प्रभाव की जड़ें गहरी हैं। इस बार के चुनाव में उन्होंने विडोडो के बेटे जिब्रान को उप-राष्ट्रपति का उम्मीदवार लिया था। इस तरह उनके अपने प्रभाव के साथ विडोडो की लोकप्रियता का भी साथ जुड़ गया।

विडोडो ने अपने दस साल के शासनकाल में खासकर आर्थिक नीतियों में कई नई पहल की। उनके राष्ट्रपति बनने के पहले तक इंडोनेशिया मुख्य रूप से कच्चे खनिजों- खासकर निकेल का निर्यात करता था। विडोडो ने देश के औद्योगीकरण पर ध्यान दिया। इस तरह देश शोधित खनिजों का निर्यात करने लगा। इससे विदेशी मुद्रा की आय बढ़ी। विडोडो ने अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच तटस्थ रुख अपनाया और चीनी कंपनियों को देश में कई ठेके दिए। उनमें बहुचर्चित हाई स्पीड रेल सेवा निर्माण का ठेका भी है। यह रेल सेवा चालू हो चुकी है। संभावना है कि सुबियांतो इन नीतियों को जारी रखेंगे। वैसे अंतरराष्ट्रीय दायरे में उनके सामने एक कड़ी चुनौती अपनी पूर्व छवि से उबरने की होगी। सुबियांतो पर सैनिक जनरल के बतौर 1998 में छात्र कार्यकर्ताओं को अगवा करने के साथ-साथ पापुआ और पूर्वी तिमोर में मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप रहे हैं।(आरएनएस)

एनिमल पार्क में दिखेगा रणबीर कूपर का ज्यादा खूंखार अंदाज

रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर जैसे सितारों से सजी फिल्म एनिमल 2023 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 556.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।एनिमल की सफलता के बाद अब दर्शक फिल्म की दूसरी किस्त एनिमल पार्क का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एनिमल पार्क की स्क्रिप्ट पर काम अगले महीने से शुरू होगा। फिल्म की शूटिंग 2025 में शुरू होगी।दूसरे भाग की कहानी ठीक उस समय तैयार हो गई थी, जब एनिमल लिखी गई थी। इसमें रणबीर का एनिमल से ज्यादा खतरनाक अवतार देखने को मिलेगा।एनिमल पार्क की कहानी रणविजय और उनके हमशक्ल पर केंद्रित होगी।एनिमल में बॉबी देओल, शक्ति कपूर, सुरेश ओबेरॉय और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार भी हैं। एनिमल पार्क के अलावा रणबीर, नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण में राम के किरदार को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इसकी फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसके अलावा रणबीर ने हाल ही में अपनी नई फिल्म का ऐलान किया था, जिसका नाम लव एंड वॉर रखा गया है।इसमें वह आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ दिखाई देंगे।

चारधाम यात्रा के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर को दो माह में पूरी तरह तैयार करें:रतूडी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी से चारधाम यात्रा को श्रद्धालुओं के लिए सहज, सुगम व सुरक्षित बनाने के दृष्टिगत इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए सभी विभागों को दो माह का समय दिया।

आज यहां प्रदेश में आगामी चारधाम यात्रा को श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों के लिए सहज, सुगम, सुखद तथा सुरक्षित बनाने के दृष्टिगत मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने यात्रा मार्ग पर जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह तैयार करने हेतु सभी विभागों को दो महीने की डेडलाइन दी है। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने आम यात्रियों की सुविधाओं के लिए यात्रा रजिस्ट्रेशन को अधिक से अधिक ऑनलाइन प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएस ने वीआईपी दर्शन के कारण जनसामान्य को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए सुव्यवस्थित प्रबन्धन करने के निर्देश दिए हैं। यात्रा मार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं एवं रोड सेफटी के मामलों को गम्भीरता से लेते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जिलाधिकारियों को रोड सेफ्टी से सम्बन्धित सभी पहलुओं विशेषकर क्रेश बैरियर लगवाने के प्रस्ताव शीघ्र शासन स्तर पर भेजने, पुलिस एवं परिवहन की संयुक्त टीमों द्वारा गत वर्षो में यात्रा सीजन के दौरान हुई सड़क दुर्घटनाओं का डेथ ऑडिट करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को 15 अप्रैल तक सड़कों के मरम्मत, पैच्स आदि का कार्य पूर्ण करने की डेडलाइन दी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि इस वर्ष रोड सेफ्टी आदि कार्यो के लिए 600 करोड़ रूपये अनुमोदित है। मुख्य सचिव ने यात्रा मार्गो पर ड्राइवरों की सुविधा के लिए रेस्ट रूप एवं सस्ते भोजन की व्यवस्था करने तथा इन रेस्ट रूम्स का संचालन स्थानीय युवाओं को सौंपने के निर्देश दिए हैं।

विधायक के आवास के समीप घर में घुसा गुलदार, तीन वनकर्मी घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। राज्य में गुलदार व बाघों का हमला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस क्रम अब टिहरी जिले के मलेथा गांव का एक और मामला सामने आया है। यहां क्षेत्रीय विधायक के आवास के समीप एक घर में गुलदार घुस जाने की सूचना पर वन विभाग की टीम के पहुंचने के बाद गुलदार द्वारा वनकर्मियों पर ही हमला बोल दिया गया। जिससे तीन वनकर्मी घायल हुए है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टिहरी जिले के कीर्तिनगर विकासखंड के मलेथा गांव में आज सुबह एक घर में गुलदार घुस गया। जिसके बाद आसपास अफरा-तफरी मच गई। गुलदार को देखकर लोगों ने जोर-जोर से शोर मचाना शुरू किया। जिसके बाद गुलदार खेतों की ओर भागता नजर आया।

सूचना पाकर मौके पर वन विभाग की टीम पहुंची और गुलदार को पकड़ने के लिए सर्च अभियान शुरू किया गया। हालांकि इस दौरान गुलदार ने तीन वन कर्मियों पर भी हमला किया। समाचार लिखे जाने तक गुलदार की तलाश जारी थी वहीं इस दौरान मौके पर क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी भी मौके पर मौजूद रहे। विधायक विनोद कंडारी ने कहा उन्होंने डीएम, डीएफओ और रेंजर को गुलदार को तुरंत पकड़ने के आदेश दिये है। जब तक गुलदार नहीं पकड़ा जायेगा तब तक वह मौके पर ही रहेंगे।

वेब सीरिज देख कर दिया लूट की..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

घटना में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए दूसरे विधि विवादित किशोर को पुलिस संरक्षण में लिया गया। मौके से उनके पास से घटना में प्रयुक्त तंमचा 12 बोर, एक कारतूस 12 बोर, लूटी गयी धनराशि तथा एक विवो कम्पनी का मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद की गई। पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि वह दोनों नशे के आदी है तथा अपनी नशे की पूर्ति के लिये उनके द्वारा उक्त घटना को अंजाम दिया गया था। मोबाइल पर वेब सीरिज देखकर उनके मन में घटना को करने का आइडिया आया था। बरामद तमंचे के सम्बन्ध में आरोपियों से अन्य जानकारी प्राप्त हुई है। पूछताछ में उसने अपना नाम विक्रम सिंह पुत्र नागेन्द्र निवासी दरभंगा बिहार हाल निवासी राजीव नगर कण्डोली बताया। जिसके सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। दोनों को अलग-अलग न्यायालय व किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जा रहा है।

प्रभावित क्षेत्रों में चौबीसों घटे अलर्ट मोड...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

संघर्ष की घटना की स्थिति में स्थानीय स्तर पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस और प्रशासन की है। इस मामले में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिम्मेदार अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जंगलों से सटे गांवों में शत प्रतिशत शौचालय और गैस कनेक्शन दिए जाने की योजना बनाई जाए ताकि लोग जंगलों का रुख न करें।

सीएम धामी ने उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत एनएसई की गौरव योजना का शुभारंभ किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास सभागार में उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत छात्रों एवं युवाओं के कौशल विकास हेतु नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की गौरव योजना और मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना एवं शोध अनुदान वितरण का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से उच्च शिक्षा में शोध को एक नई दिशा मिलेगी। उच्च शिक्षण संस्थाओं का गुणात्मक विकास होगा और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में बताया गया कि उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना एवं शोध अनुदान वितरण के अन्तर्गत प्राप्त हुये 500 शोध प्रस्तावों में से चयनित 44 शोध प्रस्तावों के लिये लगभग तीन करोड़ छियासठ लाख रूपये की शोध अनुदान राशि स्वीकृत की गयी है। इसकी प्रथम किश्त के रूप में लगभग एक करोड़ तिरासी लाख रूपये की अनुदान धनराशि सीधे डी0बी0टी0 के माध्यम से हस्तांतरित की गयी है।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे राज्य के युवाओं के कौशल सम्वर्द्धन और उनको प्लेसमेंण्ट देने के

लिये उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज(एन0एस0ई0) के साथ गौरव योजना के लिये एम0ओ0यू0 भी हस्ताक्षरित किया गया।

मुख्यमंत्री ने सभी का हार्दिक स्वागत एवम् अभिनंदन करते हुये कहा कि उत्तराखण्ड छोटा राज्य होने के बाद भी विभिन्न क्षेत्रों में नित नए मापदण्ड स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि विगत कुछ वर्षों में राज्य के उच्च शिक्षा के गुणात्मक विकास के लिए अनेक योजनाओं के माध्यम से सरकार द्वारा निरन्तर अभिनव प्रयास किए गए हैं। इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में राज्य की महत्वाकांक्षी योजना "मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना" की शुरूआत की गई है। उत्तराखण्ड छोटा राज्य होने के बाद भी देश का ऐसा राज्य है, जो शोध को बढ़ावा देने हेतु इस प्रकार का शोध अनुदान शिक्षकों और शोधार्थियों को प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से उच्च गुणवत्ता के शोध द्वारा न सिर्फ संबंधित व्यक्ति और संस्थान की पहचान स्थापित होती है बल्कि मानवता के लिए नए अवसरों और विकल्पों की तलाश हो पाती है। उन्होंने कहा कि शोध किसी राज्य की सीमा से परे संपूर्ण विश्व के लिए सहायक होता है।

शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि उत्तराखण्ड द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचारी प्रयास किये जा रहे हैं, जो राज्य को एक मॉडल के रूप में स्थापित कर रहे हैं। इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में राज्य की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना की शुरूआत की जा रही है। उन्होंने एनएसई का उल्लेख करते हुये कहा कि बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में बढ़ रही सम्भावनाओं का सही उपयोग करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सहयोग के साथ हम उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्रों सहित अन्य युवाओं को इसके लिये उपयुक्त मानव संसाधन के रूप में परिवर्तित कर सकते हैं।

आशाओं के आंदोलन को पंचायतों का समर्थन

संवाददाता

मुनस्यारी। 6 सूत्री मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रही आशा कार्यकर्तीयों को पंचायतों ने अपना समर्थन दिया।

आज यहां उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के कार्यक्रम संयोजक तथा जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने मुनस्यारी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आगे 6 सूत्रीय मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रही आशा कार्यकर्तीओं के आंदोलन में भाग लिया।

प्रदर्शन में भाग लेकर आशाओं के मांग के समर्थन में नारेबाजी की। उन्होंने आशाओं के आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री ने 2022 के चुनाव से पहले आशा कार्यकर्तीओं के 6000 मानदेय दिए जाने की घोषणा की थी। उस पर अभी तक अमल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्तीओं के कार्य को देखते हुए उन्हें राज्य कर्मचारी घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की रीड आशाओं की मांगों के समर्थन में उत्तराखंड के समस्त पंचायत प्रतिनिधि प्रदेश के मुख्यमंत्री को अपनी ओर से ज्ञापन भेजेंगे।

सैनिक कल्याण मंत्री ने रक्षा मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

नई दिल्ली। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की।

आज यहां प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उत्तराखण्ड के सीमान्त जनपद चमोली में सैनिक स्कूल के निर्माण का अनुरोध किया गया। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अवगत कराते हुए कहा कि राज्य का जनपद चमोली एक सीमान्त होने के साथ साथ सैनिक बाहुल्य जनपद है। उन्होंने कहा सैनिक के रूप में राष्ट्र सेवा का जज्बा यहाँ के लोगों में कूट-कूट कर भरा है। यही कारण है कि यहाँ सैनिक एवं पूर्व सैनिक अपने बच्चों को सैनिक

परिवेश के स्कूलों में प्रवेश के लिए हमेशा ही उत्सुक रहते हैं। उन्होंने कहा सीमान्त जनपद चमोली एवं निकटतम् क्षेत्र में कोई भी सैनिक स्कूल/आर्मी पब्लिक स्कूल संचालित नहीं है। यहां के पूर्व सैनिकों द्वारा कई वर्षो से मांग की जाती आ रही है, कि जनपद चमोली में भी जनपद पिथौरागढ़ स्थित जनरल बीसी जोशी आर्मी पब्लिक स्कूल की भाँति ही एक आर्मी पब्लिक स्कूल संचालित / स्वीकृत हो सके, जो देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम से संचालित हो।

जोशी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उत्तराखण्ड के सीमान्त जनपद चमोली के पूर्व सैनिकों की बहुप्रतिक्षित मॉग जनपद चमोली में भी जनरल बीसी जोशी आर्मी पब्लिक स्कूल की भाँति ही एक आर्मी पब्लिक स्कूल स्वीकृत/ स्थापित करने का अनुरोध किया गया। जिसपर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए मामले में शीघ्र आवश्यक कारवाई का भरोसा दिलाया।

एक नजर

सीएम ने सहायक लेखाकार के पद पर चयनित 67 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोक सेवा आयोग के माध्यम से कृषि विभाग के अंतर्गत सहायक लेखाकार के पद पर चयनित 67 अभ्यार्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास परिसर में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में लोक सेवा आयोग के माध्यम से कृषि विभाग के अंतर्गत सहायक लेखाकार के पद पर चयनित 67 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि अब वे उत्तराखंड शासन, प्रशासन का हिस्सा बनने जा रहे हैं। सभी सच्ची लगन और मेहनत से अपने कार्य को निपुणता से करेंगे, इसकी उन्होंने अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध हों, हमारा यह प्रयास धीरे-धीरे धरातल पर उतरने लगा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में अधिक से अधिक युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार के और अधिक अवसर मिल पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आपको एक ऐसे प्रदेश में सेवा का अवसर ईश्वर ने प्रदान किया है, जिसमें आपकी एवं राज्य की प्रगति की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य करें, उसे पूर्ण ईमानदारी और लगन से करें तथा पूरी कोशिश करें कि जो काम आज होना है, उसे आज ही सम्पन्न करें और उत्तराखंड को श्रेष्ठ व नम्बर-एक राज्य बनाने में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री गणेश जोशी ने भी नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी युवाओं को बधाई एवं शुभकामनायें दीं। इस अवसर पर महानिदेशक कृषि डॉ. रणजीत सिंह चौहान, निदेशक कृषि एवं कृषि कल्याण केपी पाठक, संयुक्त निदेशक कृषि दिनेश कुमार, उप निदेशक कृषि, नवीन काण्डपाल, पीएम बिष्ट नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवा सहित सम्बन्धित पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

मशहूर कथावाचक जया किशोरी से सिरफिरे ने की बदसलूकी

लखनऊ। देश की मशहूर कथावाचक और मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी अपनी खास स्टाइल में कथा कहने के लिए जानी जाती हैं। मधुर और सुंदर वाणी के साथ बेहद खूबसूरत जया किशोरी के विदेशों में भी फॉलोअर्स हैं लेकिन गुरुवार को उनके एक सिरफिरे ने मंच पर ऐसी हरकत कर दी है जिससे कथावाचक जया किशोरी आहत हैं।

दरअसल, लखनऊ के गन्ना संस्थान में महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (1098) के कार्यक्रम में जया किशोरी पहुंची थीं तभी दीपेश ठाकुरदास नाम का शख्स मंच पर जबरन घुस गया और उसने जया किशोरी पर अभद्र टिप्पणी की और बदसलूकी करते हुए उस सिरफिरे ने उन्हें जान से मारने की धमकी दे डाली। हालांकि, इस घटना की शिकायत जया किशोरी के मुंह बोले भाई दीपक ओझा की तहरीर पर लखनऊ हजरतगंज पुसिल ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी दीपेश ठाकुरदस थवानी को अरेस्ट कर सलाखों के पीछे डाल दिया गया।

हजरतगंज थाने में दर्ज एफआईआर के कार्यक्रम तक जया किशोरी का पीछा करते हुए दीपेश ठाकुर पहुंच गया था और मंच पर चढ़ने का प्रयास करने लगा और कुछ अभद्र टिप्पणी की और जान से मारने की धमकी देने लगा। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तलाश कर उसे धर दबोचा।

दीपेश ठाकुरदास थवानी शिरडी महाराष्ट्र का रहने वाला है और उसका होटल है। हजरतगंज पुलिस की सूचना के अनुसार दीपेश अभी बीकॉम सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रहा है और मॉडलिंग और एक्टिंग का करता है। एक विज्ञापन में भी नजर आ चुका है।

गैरसैंण पर कांग्रेस कर रही है नाटकः अग्रवाल

विशेष संवाददाता

देहरादून। चुनावी दौर में भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच एक दूसरे पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए आरोप प्रत्यारोप लगाने और भ्रम फैलाने के तमाम मुद्दों पर वार-पलटवार किये जा रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा द्वारा 27 फरवरी को गैरसैंण में प्रतीकात्मक विधानसभा सत्र आयोजित करने की घोषणा पर आज संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने पलटवार करते हुए कहा कि गैरसैंण को लेकर कांग्रेस सिर्फ नाटक करती रही है।

प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि काल्पनिक विधानसभा सत्र आयोजित करने वालों को चाहिए कि वह अपना एक काल्पनिक मुख्यमंत्री भी चुन लें इससे क्या फर्क पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस यथार्थ में तो कहीं दिखती नहीं है कल्पनाओं में रहकर ही अगर कांग्रेस खुश है अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रारंभिक दौर से लेकर आज तक गैरसैंण को लेकर कभी गंभीर नहीं रही है, अगर वह गंभीर रही होती

❑हो सके तो एक काल्पनिक सीएम भी चुन लें
❑कांग्रेसियों ने बताया सत्ता का घमंडिया बयान

तो वह खुद भी गैरसैंण को राज्य की स्थाई राजधानी घोषित कर सकती थी। लेकिन जब भाजपा ने गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर दिया तो वह स्थाई राजधानी की बात करके लोगों को भड़काने में लगी हुई है।

उनके इस बयान पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि इस तरह की बातें वह सत्ता के अहंकार में कर रहे हैं उन्होंने तो भाजपा का वह वक्त भी देखा है जब उसके दो सांसद होते थे। सत्ता सदैव किसकी रही है आज उनके पास सत्ता है तो वह हमेशा नहीं रहेगी। गैरसैंण में बजट सत्र आयोजित न कराये जाने पर इससे पूर्व हरीश रावत ने भी कहा था कि जिन्हें पहाड़ की सर्दी से डर लगता है उन्हें पहाड़ की राजनीति छोड़ कर चले जाना चाहिए। उधर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि कांग्रेस गैरसैंण को लेकर नाटक कर रही है।

यही नहीं कुछ कांग्रेसी नेताओं द्वारा लोकसभा चुनाव न लड़ने की बात कहकर अनिच्छा जताने पर कांग्रेस व भाजपा के नेता वार-प्रतिवार करते रहे हैं। महेंद्र भट्ट का कहना है कि जब हार सुनिश्चित दिख रही हो तो हारने के लिए कौन चुनाव लड़ेगा। हार से डर के कारण ही बड़े नेता चुनाव लड़ने से बच रहे हैं। भट्ट के इस बयान पर प्रीतम सिंह का कहना है कि वह खुद कितनी बार चुनाव हारे हैं उन्हें यह भी याद रखना चाहिए। हार जीत तो चुनाव का हिस्सा है क्या उन्होंने हारने के बाद राजनीति छोड़ दी।

तमंचे के बल पर लूटे 5 हजार रुपये व मोबाइल फोन

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने तमंचे के बल पर पांच हजार रूपये व मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरसावा सहारनपुर निवासी कुलदीप ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह वर्तमान में मन्दाकिनी विहार सहस्त्रधारा रोड पर रहता है व सहस्त्रधारा रोड पर मिट्टी का काम करता है। 21 फरवरी 2024 को जब वह किसान डेरी सहस्त्रधारा रोड के पास अपने काम से जा रहा था समय करीब दस बजे एक मोटरसाइकिल में 2 लडके आये जिनमें से एक लडके ने उसके सिर पर तंमचा लगा दिया और उसका फोन और 5 हजार रूपये लूट लिये। उस समय वह घटना से काफी सदमें में आ गया था परन्तु अब वह इस सम्बन्ध में उन व्यक्तियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराना चाहता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

साईबर ठगों ने उड़ाये खाते से एक लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। साईबर ठगों ने खाते से एक लाख रूपये उडा दिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तुनवाला निवासी विनीत कुमार बिष्ट ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके एसबीआई खाते से पिछले साल एक लाख रूपये का साईबर फ्राड हुआ था जिसके फलस्वरूप साइबर थाने ने उनके हैल्प लाईन नम्बर के द्वारा उक्त धनराशी को होल्ड करा दिया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सड़क हादसाः चालक व एक महिला की मौत, तीन घायल

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सड़क दुर्घटना में देर शाम एक मैक्स वाहन के खाई में गिर जाने से जहां चालक व एक महिला की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से दोनो शवो सहित तीन घायलों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां दो घायलों की स्थिति नाजुक देखते हुए उन्हे देहरादून हायर सेंटर रैफर कर दिया गया है।

धरासू थाना प्रभारी दिनेश कुमार द्वारा बताया गया कि बीती शाम करीब पांच बजे एक मैक्स वाहन बनचौरा से नैनबाग के ऐंदी बसाण गांव की तरफ जा रहा था। इस दौरान दिवारी खोल के पास अनियंत्रित होकर वह वाहन गहरी खाई में गिर गया। हादसे में वाहन चालक पद्म(34) निवासी श्रीकोट की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर घायल रीता (35) ने स्वास्थ्य केंद्र बनचौरा ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। सूचना पर बनचौरा चौकी और धरासू थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जिसने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों व मृतक को खाई से निकाला। हादसे में घायल सोबन दास निवासी बसाण गांव, विजय और जगबीर दोनों निवासी कैंथोगी बनचौरा को स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से गंभीर घायल विजय व सोबन को हायर सेंटर देहरादून रेफर कर दिया गया है।

बिजली चोरी में दो लोगों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने बिजली चोरी के मामले में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अवर अभियंता आईडीपीएल अन्नू चौहान ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने जेजे ग्लास के पास गोविन्द राम के मकान पर छापा मारा तो वहां पर विद्युत बकाया की स्थिति में काटे गये कनेक्शन को बिना विभागीय अनुमति के कनेक्शन जोडकर विद्युत चोरी करते पकड लिया तथा हरिधाम कालोनी में नमन चंदा के मकान में भी कटिया डालकर विद्युत चोरी करते पकडा। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।